Dainik Jagran Date:-06-01-2019 Page:04

पुस्तकों से ही मिलता है असली अनुभव : जावड़ेकर

27वें विश्व पुस्तक मेले में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शारजाह के शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी भी रहे मौजूद

उद्घाटन • INAUGURATION
NEW DELHI WORLD BOOK FAIR
विश्व पुस्तक मेला 2019

प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के ब्रेल प्रकाशन के सूचीपत्र का अनावरण करते केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर व अन्य • जागरण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि जीवन का असली अनुभव पुस्तकों से ही मिलता है। पुस्तकें हमें अच्छे और बुरे का ज्ञान देती हैं। इनकी खुशबू ऐसी होती है, जो आसपास का वातावरण भी महका देती हैं।

जावड़ेकर शनिवार सुबह प्रगति मैदान के हंसध्वनि थियेटर में 27 वें विश्व पुस्तक मेले के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के तौर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह क्षेत्र के राजकीय संबंध विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष शेख फहीम बिन सुल्तान अल कासिमी भी मौजूद रहे।

'दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएं' थीम पर आयोजित इस बार के मेले को लेकर जावड़ेकर ने कहा कि प्रगति मैदान का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। इसके बावजूद पिछले साल 26 वें विश्व पुस्तक मेले में करीब 12 लाख पुस्तक प्रेमी आए थे, अबकी बार यह रिकार्ड भी टूट सकता है। इससे जाहिर है कि पुस्तकें पढ़ने को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है। टीवी, इंटरनेट और ई-बुक्स के बावजूद पुस्तकों के प्रति लोगों की दीवानगी बेहद अच्छी बात है। आम जन को अपनी आय का एक हिस्सा कला- संस्कृति तथा साहित्य पर खर्च करना चाहिए। यह ऐसा निवेश है, जो जीवन भर रिटर्न देता है।

पुस्तक मेले के विशिष्ट अतिथि शारजाह क्षेत्र के लिए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से हमारी पुरानी मित्रता है। यहां करीब 20 लाख भारतीय रहते हैं। उन्होंने इस दौरान मंच पर मौजूद सुल्तान अल कासिमी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एग्जाम वारियर्स' पुस्तक भी भेंट की।

मेले के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अध्यक्ष बलदेव भाई शर्मा, निदेशक रीटा चौधरी, शारजाह पुस्तक प्राधिकरण के अध्यक्ष अहमद बिन रक्काद अल अमेरी, ऑल इंडिया कंफेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के महासचिव परमजी जे एल कौल सहित भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद (आइटीपीओ) के अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित थे। मेले के शुभारंभ अवसर पर थीम आधारित एक कैलेंडर तथा एनबीटी द्वारा प्रकाशित ब्रेल लिपि की पुस्तकों के कैटलॉग का विमोचन भी किया गया। मालूम हो कि नौ दिवसीय यह मेला 13 जनवरी तक चलेगा।

साहित्य के खजाने से चुने 'ज्ञान के मोती'

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

27वें विश्व पुस्तक मेले के पहले दिन शनिवार को पुस्तक प्रेमियों के उत्साह पर ठिठुरन भरी ठंड भी बेअसर रही। हर उम्र के पुस्तक प्रेमियों की अच्छी खासी संख्या मेले में देखने को मिली। पहले ही दिन पुस्तक प्रेमियों के इस उत्साह से जहां प्रकाशक खुश दिखाई दिए। वहीं साहित्य के इस खजाने में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक सभी ज्ञान के मोती (पुस्तकें) चुनते दिखाई दिए।

शनिवार सुबह ठिठुरन और दिन में बारिश की भी संभावना से ऐसा लग रहा था कि पहला दिन खाली ही रहेगा। मगर ऐसा हुआ नहीं, पहले दिन करीब 50 हजार पुस्तक प्रेमी मेले में पहुंचे। इसमें सबसे अधिक भीड़ बाल मंडप, हिंदी व अंग्रेजी साहित्य की तरफ दिखाई दी। अंतरराष्ट्रीय पुस्तकों के प्रति भी दर्शकों में काफी दिलचस्पी रही।

प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार, एपीएन पब्लिकेशंस के निर्भय कुमार और शैक्षिक पुस्तकों के प्रकाशक एसबीपीडी ग्रुप की निदेशक मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने पहले दिन की चहल-पहल पर खुशी जाहिर की। साथ ही रविवार को पुस्तक प्रेमियों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद जताई।

पुस्तकों का हुआ लोकार्पण: दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को मेले में अंतर आवेग द्वारा लिखित पुस्तक 'क्रॉनिकल्स ऑफ द मोर्टल विष्णु' का कवर लांच किया। इस अवसर पर उनके साथ चर्चित भजन गायक अनूप जलोटा भी थे। यह पुस्तक पहली सभ्यता से नए युग तक की संपूर्ण गाथा तथा पहले विश्व युद्ध का विवरण प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त सिसोदिया ने जम्मू कश्मीर की लेखिका पायल जैन की पुस्तक 'माइंड, लाइफ एंड रिफ्लेक्शन' का भी लोकार्पण किया।

विश्व पुस्तक मेले के पहले दिन स्टॉल पर पुस्तक देखते लोग • जागरण

प्रभात प्रकाशन के स्टाल पर लेखक शशिकांत 'सदैव' की पुस्तक 'छात्र-उपनयन के धार्मिक और वैज्ञानिक आधार एवं गुरु का महत्व' का वरिष्ठ लेखक एवं व्यंग्यकार डॉ. हरीश नवल ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर कथूरिया एवं ज्योतिषी पं. अजय भाम्बी बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

हॉल नंबर 8 में गुल्ली बाबा के स्टाल का उद्घाटन प्रबंध निदेशक दिनेश वर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि मेले में एक वेबसाइट, एजुकेशन प्लेइंग कार्ड्स, इंटरएक्टिव पजल्स, ड्राइंग बुक और स्किल आधारित पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा।

एपीएन पब्लिकेशंस द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के संपादक ललित्य ललित द्वारा लिखित 'पाण्डेय जी और दिल्ली' एवं उषा झुनझुनवाला की पुस्तक 'एक औरत की डायरी से' का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर लोकसभा सचिवालय के संपादक रवींद्र राव एवं पब्लिकेशंस के निदेशक निर्भय कुमार मौजूद थे।

मोदी, योगी के साथ ही खलनायकी पर भी होगी चर्चा

मेले में पुस्तकों के बहाने राजनीति और फिल्मों पर चर्चा के कार्यक्रम भी रखे गए हैं। इनमें चर्चा का एक विषय नरेंद्र मोदी अब तक के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री और दूसरा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व रखा गया है। वहीं सोमवार को मेले में पुस्तक 'मैं हूं खलनायक' के लोकार्पण अवसर पर मशहूर अभिनेता रंजीत यहां पाठकों से मिलेंगे।

बच्चों की जरूरतों पर भी फोकस

हॉल नं. 7 में बाल मंडप में बच्चों की जरूरतों पर भी खास फोकस किया गया है। एसबीपीडी ग्रुप की प्रमुख मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने बताया कि शिक्षा में भी अब तकनीक का प्रयोग बढ़ रहा है। इसीलिए कहानियों के साथ साथ अब पठन सामग्री में भी नए नए प्रयोगों का समावेश होने लगा है। इस बार पुस्तक मेले में भी यह नजारा साफ दिखाई दे रहा है।